सतर्कता जागरूकता अभियान 2023 – एक प्रतिवेदन

(16 अगस्त 2023 से 15 नवम्बर 2023)

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में 16 अगस्त 2023 से 15 नवंबर 2023 तक 'पीआईडीपीआई संकल्प' और क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर सतर्कता जागरूकता अभियान मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह- 2023 दिनांक 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2023 तक "भ्रष्टाचार को ना कहें : राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध" विषय पर मनाया गया।

बैनरों का प्रदर्शन

'सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और गुप्त सूचना प्रदाता संरक्षण संकल्प, 2004' (पीआईडीपीआई) पर बैनर हिंदी, मराठी और अंग्रेजी जैसी विभिन्न भाषाओं में मुख्य द्वार के सामने और यारी रोड और सात बंगलों के परिसरों में कार्यालय भवन पर प्रदर्शित किए गए ।

पीआईडीपीआई बैनर खारे पानी के मछली फार्म, काकीनाडा, मीठे पानी के मछली फार्म, आईसीएआर-सीआईएफई के बलभद्रपुरम, काकीनाडा केंद्र और आईसीएआर-सीआईएफई कोलकाता केंद्र के कार्यालय मुख्य द्वार पर भी प्रदर्शित किए गए । पीआईडीपीआई पोस्टर सीआईएफई के पोवारखेड़ा, रोहतक और मोतीपुर केंद्रों पर भी प्रदर्शित किए गए।

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत 30 अक्टूबर 2023 को आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी . साहू के कमलों से किया गया ।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने के लिए आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023 (30 अक्टूबर से 05 नवंबर 2023) के दौरान निम्नलिखित प्रतियोगिताओं (जैसे पोस्टर, वाद-विवाद, निबंध, नारा और कविता) का आयोजन किया गया। थीम थी 'भ्रष्टाचार को ना कहें: भ्रष्टाचार का विरोध करें'।

1. पोस्टर प्रतियोगिता

31 अक्टूबर 2023 को छात्रों के लिए 'भ्रष्टाचार को ना कहें: भ्रष्टाचार का विरोध करें' विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 छात्रों ने भाग लिया, पुरस्कार विजेता पोस्टर नीचे दिखाए गए हैं-

2. विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता

2 नवंबर 2023 को निम्नलिखित विषयों पर छात्रों के लिए एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और इस प्रतियोगिता में कुल 16 छात्रों ने भाग लिया था

अ ईमानदारी उपलब्धि का बीज क्या है?

बी. समय के साथ ईमानदारी और सत्यनिष्ठा बदलती है?

सी. क्या भारत में सतर्कता तंत्र प्रभावी है?

डी. क्या जागरूक समाज के निर्माण में शिक्षा महत्वपूर्ण है?

1. **छात्रों और कर्मचारियों के लिए निबंध, कविता और नारा प्रतियोगिता**
   3 नवंबर 2023 को 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' विषय पर छात्रों और कर्मचारियों के लिए निबंध, कविता और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में कुल 32 छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

4. 'निवारक सतर्कता: कार्य और गतिविधियाँ' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में 2 नवंबर 2023 को सुबह 11.30 बजे ऑनलाइन मोड में कमरा नंबर 421 में 'निवारक सतर्कता: कार्य और गतिविधियां' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और इसमें मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों के सभी वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम. श्री नीरज तंवर, अवर सचिव (सतर्कता), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली इस कार्यक्रम के लिए मुख्य संसाधन व्यक्ति थे। श्री. तंवर ने सतर्कता के चार प्रकार जैसे निवारक

सतर्कता, जासूसी सतर्कता, दंडात्मक सतर्कता और शिक्षात्मक सतर्कता के बारे में बताया और निवारक सतर्कता के महत्व, उद्देश्यों और तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने संस्थान में भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम करने के लिए नियमों, प्रक्रियाओं और प्रथाओं की निरंतर समीक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यालय में निवारक सतर्कता के उपायों के रूप में अनुबंधों के प्रबंधन, खरीद, इन्वेंट्री प्रबंधन, सिविल कार्यों और मानव संसाधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। निवारक सतर्कता पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक दृश्य

सतर्कता जागरूकता अभियान का समन्वयन डॉ. एन.एस. नागपुरे, प्रधान वैज्ञानिक एवं सतर्कता अधिकारी, डॉ. सुबोध गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. परमिता बनर्जी सावंत, प्रधान वैज्ञानिक, श्री के.एल. मीना, सीएओ (एसजी), सीटीओ, डॉ. नलिनी पुजारी, द्वारा किया गया। श्रीमती पूनम बहल, एओ, और श्री देवेन्द्र वी. रावराणे, एएओ (स्थापना) सीआईएफई क्षेत्रीय केंद्रों से रिपोर्ट

आईसीएआर-सीआईएफई, काकीनाडा केंद्र

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, काकीनाडा केंद्र ने 14 नवंबर 2023 को बिक्कावोलू गांव, पूर्वी गोदावरी जिला आंध्र प्रदेश में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 के हिस्से के रूप में एक पीआईडीपीआई जागरूकता अभियान और एक व्याख्यान आयोजित किया। बैठक में कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तेलुगु में अनुवादित पीआईडीपीआई ब्रोशर आसपास के घरों में वितरित किए गए और किसानों को पीआईडीपीआई संकल्प के बारे में समझाया गया। जागरूकता अभियान में केंद्र के चार अधिकारी शामिल हुए।

आईसीएआर-सीआईएफई, कोलकाता केंद्र

पीआईडीपीआई जागरूकता अभियान के एक भाग के रूप में, आईसीएआर-सीआईएफई, कोलकाता केंद्र ने 4 नवंबर, 2023 को प्रतापनगर ग्राम पंचायत, जिला: दक्षिण 24 परगना (पश्चिम बंगाल) में एक ग्राम सभा का आयोजन किया। डॉ. टी.के. घोषाल, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. जी.एच. पेलन, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. सुजाता साहू, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. सुमन मन्ना, वैज्ञानिक सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने ग्रामीणों को जनहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण (पीआईडीपीआई) संकल्प के प्रावधानों के बारे में समझाया। कार्यक्रम में कुल 58 की संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया.

आईसीएआर-सीआईएफई पवारखेड़ा केंद्र

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, पवारखेड़ा केंद्र में 16 अगस्त से 15 नवंबर, 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023 मनाया गया। 30 अक्टूबर 2023 को ग्यारह स्टाफ सदस्यों और तीस किसानों द्वारा अखंडता प्रतिज्ञा ली गई। पीआईडीपीआई जागरूकता अभियान 16 और 17 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया था, जिसमें वर्धमान स्कूल, इटारसी, नर्मदापुरम (म.प्र.) के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। की भागीदारी से एक इंटरेक्शन मीट का आयोजन किया गया

आईसीएआर-सीआईएफई पवारखेड़ा केंद्र के कर्मचारी, मत्स्य विज्ञान और अनुसंधान महाविद्यालय, इटावा, सीएसएयूटी, कानपुर के किसान और छात्र। निताया पंचायत, नर्मदापुरम (म.प्र.) के निताया गांव में 40 से अधिक किसानों की भागीदारी के साथ एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। वैज्ञानिक और ओआईसी डॉ. सुनील कुमार नायक ने पीआईडीपीआई जागरूकता और नागरिकों को इसके लाभ के बारे में जानकारी दी। निताया पंचायत के सचिव श्री सतीश राजपूत ने भी सतर्कता जागरूकता के महत्व पर जोर दिया और भ्रष्टाचार के मामलों में मध्य प्रदेश के लिए 'डायल 181' सीएम हेल्प लाइन नंबर के प्रावधान के बारे में जानकारी दी।

आईसीएआर-सीआईएफई, रोहतक केंद्र

ग्राम पंचायत कार्यालय लाहली में सतर्कता जागरूकता हेतु ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, अधिकारी, आईसीएआर-सीआईएफई, रोहतक केंद्र के कर्मचारी और 30 की संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को देश के लाभ और प्रगति के लिए ईमानदारी और अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। सभी प्रतिभागियों को दिए गए विषय से संबंधित पुस्तिकाएँ वितरित की गईं। कर्मचारियों और ग्रामीणों ने विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया